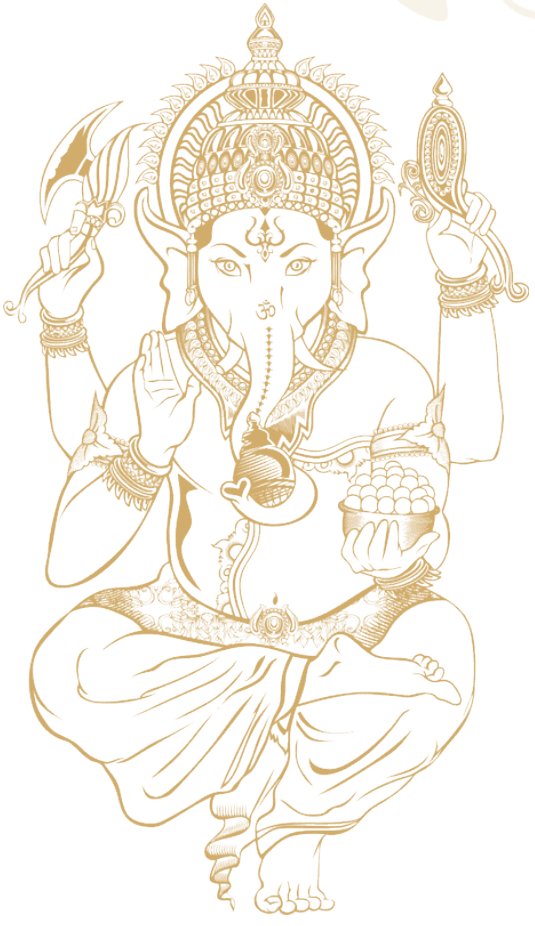

Anmol Gupta

Shivam Gupta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120854803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/09/1998	जन्म तिथि	16/05/1997
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 15:24:00	जन्म समय	08:56:00 घंटे
घटी 23:18:55	जन्म समय(घटी)	08:34:50 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:26	सूर्योदय	05:30:04
18:30:06	सूर्यास्त	19:05:19
23:50:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 9मा 19दि	28:49:40	धनु	लग्न	मिथु	20:42:51	शुक्र 10वर्ष 3मा 7दि
राहु	25:36:06	सिंह	सूर्य	वृष	01:29:34	मंगल
03/07/2010	16:55:40	वृष	चंद्र	सिंह	19:49:10	23/08/2023
02/07/2028	20:34:12	कर्क	मंगल	सिंह	24:51:27	23/08/2030
राहु 15/03/2013	13:46:37	सिंह	बुध	मेष	07:43:41	मंगल 19/01/2024
गुरु 08/08/2015	29:42:46	कुंभ व	गुरु	मक	27:09:05	राहु 06/02/2025
शनि 14/06/2018	13:05:48	सिंह	शुक्र	वृष	12:50:41	गुरु 13/01/2026
बुध 01/01/2021	09:08:24	मेष व	शनि	मीन	21:55:54	शनि 22/02/2027
केतु 19/01/2022	07:31:11	सिंह व	राहु	कन्या	03:15:26	बुध 19/02/2028
शुक्र 19/01/2025	07:31:11	कुंभ व	केतु	मीन	03:15:26	केतु 17/07/2028
सूर्य 14/12/2025	15:29:59	मक व	हर्ष व	मक	14:51:01	शुक्र 16/09/2029
चन्द्र 15/06/2027	05:46:28	मक व	नेप व	मक	06:05:03	सूर्य 22/01/2030
मंगल 02/07/2028	11:39:50	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	10:39:51	चन्द्र 23/08/2030

लग्न-चलित

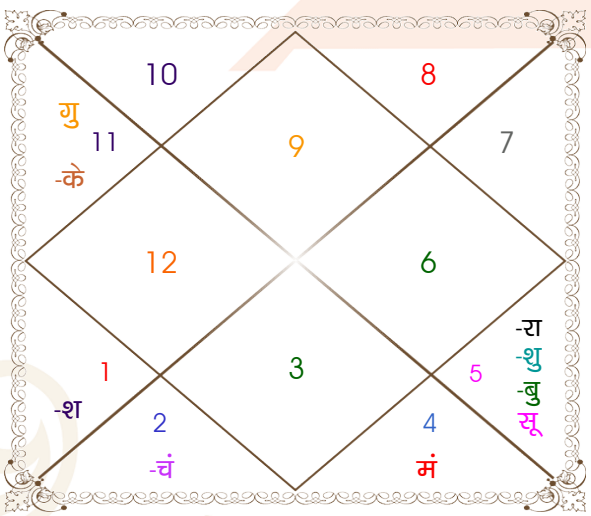

लग्न-चलित

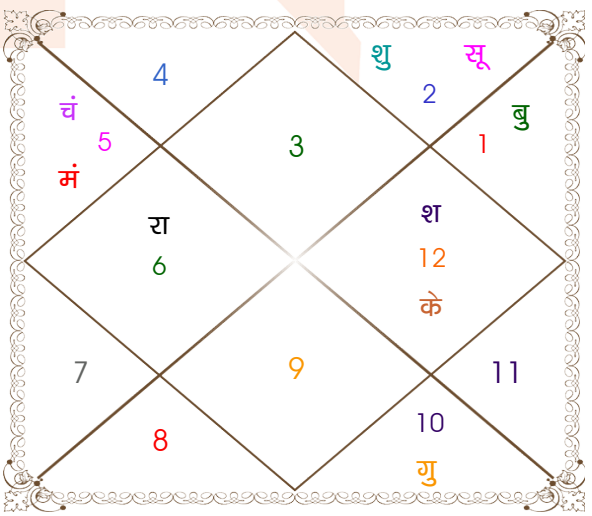

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

।दउवस ळनचजं का वर्ग मृग है तथा ौपअंउ ळनचजं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दउवस ळनचजं और ौपअंउ ळनचजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।दउवस ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।दउवस ळनचजं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौपअंउ ळनचजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ौपअंउ ळनचजं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।दउवस ळनचजं तथा ौपअंउ ळनचजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।